E-MAGAZINE FOR LEARNERs OF LIBRARY & INFORMATION SCIENCE

LISINFOTIKA

A Hindi Quarterly Magazine published by **LIS MENTORs**

Inaugural Issue * January-March 2016 *

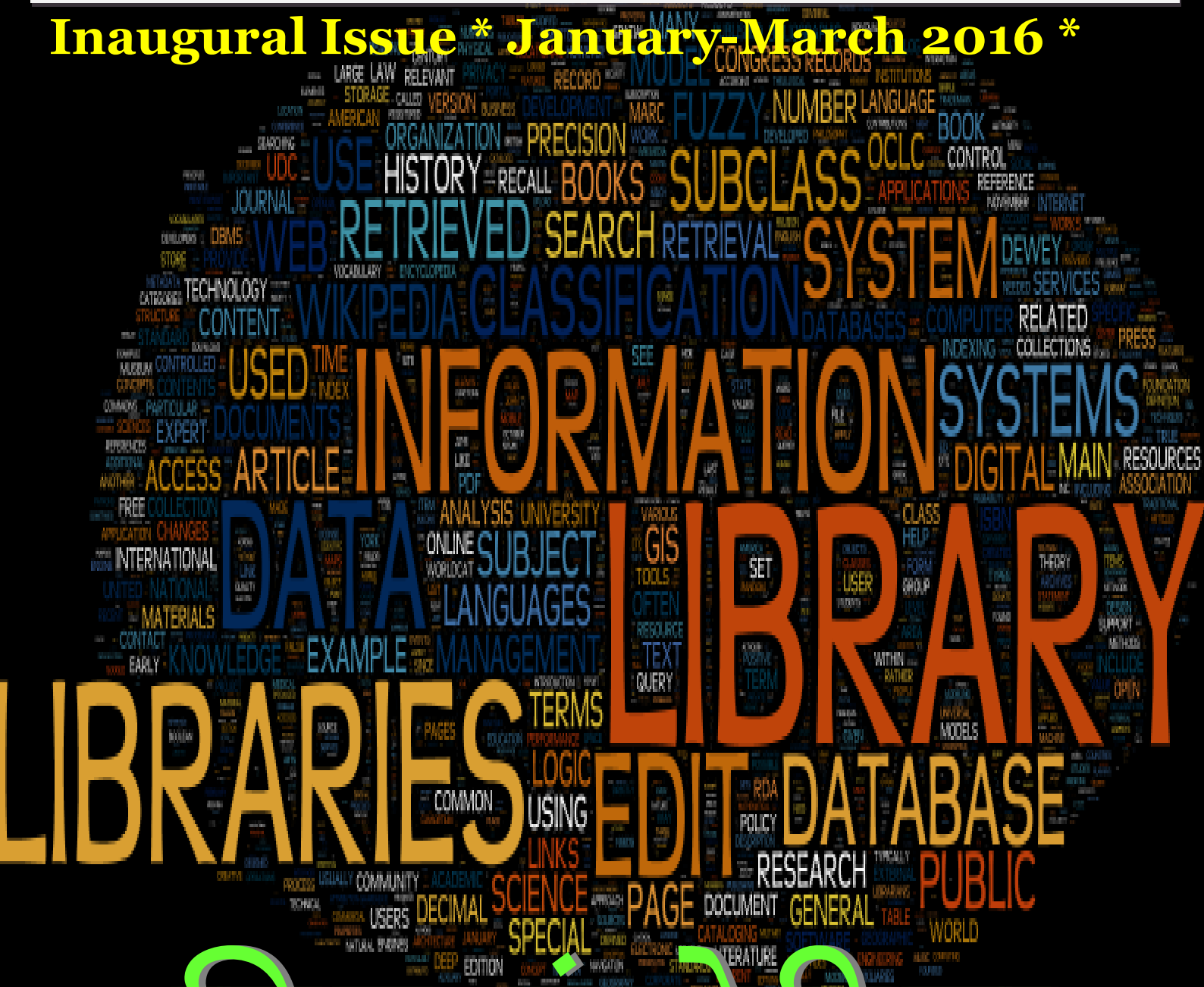

लिस-इंफोटिका

त्रैमासिक पत्रिका

अधिष्ठापन अंक

मार्च २०१६ * प्रथम संस्करण * प्रथम अंक

प्रकाशक

लिसमेंटर्स ग्रुप्स (LISMentors Group)

सेक्टर-8 , बहादुरपुर हाउसिंग कॉलोनी

पटना-800026

बिहार

सम्पर्क :-

ई-मेल :- ed.lisinfotika@gmail.com

lisinfotika@gmail.com

वेबसाइट :- http://lismentors.weebly.com/

http://lismentors.weebly.com/lis-infotika.html

लिस-इंफोटिका

त्रैमासिक पत्रिका

मार्च २०१६ । प्रथम संस्करण । प्रथम अंक

सम्पादकीय समूह

प्रधान संपादक पवन कुमार सिंह
मुख्य संपादक अमरजीत कुमार सिंह
मुख्य संपादक कुमारी अमृता
संपादक स्वाति रानी
कार्यकारी संपादक डौली घोष
कार्यकारी संपादक शिवजी प्रसाद
कार्यकारी संपादक बंदना कुमारी

सलाहकार समिति

डा. मयंक युवराज
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, सी.यू.एस.बी., गया

डा. महेश सिंह राणा
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, एन.आई.टी., पटना

श्री मृत्युंजय आनंद
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, आई.आई.टी., पटना

क्रियात्मक समूह

वंदना ठाकुर
प्रेक्षा कुमारी
नेहा गुप्ता
नूरी खातुन
निखिल सिंह
विनीता आनंद

भाषा सम्पादक

श्री राजेन्द्र कुमार सिंह
हिन्दी लेखक एवं कवि,
कनिष्ठ अधीक्षक (सेवानिवृत) ,
सी.डब्लू.सी.

डा. अमृत प्रजापति
हिन्दी अनुवादक, लेखक एवं कवि

8-9 लाईब्रेरी प्रोफेशनलस डायरी-प्रथम खंड

समसामयिकी 10-11

12 पुर्नावलोकन

समाचार डायरी 13

14 वेब टेक्नॉलाजी अपडेट

मुख्य लेख 15-16

17 प्रश्नोत्तरी

नॉलेज पोर्टल 18

19-23 नो योर कैम्पस

फ्लैशबैक 24

25 इवेंट (Event)

साक्षात्कार 26

27 फुहार

सम्पादकीय

प्रिय पाठकगण !

नववर्ष एवं होली की शुभकामनाओं के साथ 'लिस-इंफोटिका' पत्रिका के अधिष्ठापन अंक को आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे और हमारी सम्पादकीय समूह को अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है। आगे सरस्वती वंदना के साथ प्रस्तुत पत्रिका जो की हमारी प्रारम्भिक प्रस्तावना है, जिसके लिए आप समस्त पाठकगण यथा पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के विद्यार्थीगणों, पुस्तकालयकर्मियों और शिक्षाविशारदों की महत्वपूर्ण एवं बहुमूल्य सुझाव अपेक्षित हैं। अनुभवी एवं विद्वान सद्स्यों के प्रयास के कारण प्रस्तुत अंक विशेष रूप से परीक्षोपयोगी चयनित सामग्री से परिपूर्ण बना है, यह पत्रिका मुख्य रूप से पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के विद्यार्थीगणों, पुस्तकालयकर्मियों की ज्ञान आवश्यकता के साथ पाठ्यक्रम की ग्राह्यता को सुलभ बनाने का पूर्ण प्रयास करेगी। पुस्तकालय विज्ञान के विस्तृत एवं गतिक आचरण के आधार पर छात्रों को यह सुझाव दूंगा की वे अपने अध्ययनकाल में दो प्रमुख तथ्यों को आत्मसात करे, प्रथम "करत-करत अभ्यास ते जड़मति होत सुजान" अर्थात पुस्तकालय विज्ञान ग्राह्य गुण के कारण अन्य विषयों से इतर यह विषयिक विविधता प्रदान करता है, जो प्रांरभिक अवस्था में छात्रों में इसकी मूल अवधारणा को समझने में उलझन पैदा करती है। अतः, छात्रों को सलाह है की वे इस विषय को गंभीरतापूर्वक ले एवं अन्य विषय से इसकी तारतम्यता को समझ कर निरंतर अद्यतन से इसकी जटिलता को कम कर सकते है।

द्वितीय "निंदक नियरे राखिए" अर्थात अपने किसी कार्य को स्वमूल्यांकन आधार न दे , मैंने अपने अद्ध्ययन एवं शिक्षणकाल में अनुभव किया है की इस विषय में सटीक अवधारणाओं की कमी के कारण कई छात्र अल्पज्ञान को ही पूर्ण मान कर आत्मकेंद्रित हो अपने भविष्य की प्रखरता में अवरोध उपस्थित कर लेते है।

अतः, पुस्तकालय विज्ञान के छात्रों के लिए अहम तथ्य है की वे आधे-अधूरे ज्ञान को स्थायी न मानकर अनवरत अपने को अद्यतन करते रहे। साथ-ही-साथ, अपने स्तर पर ऐसे समूह का हिस्सा बने जो आपके अर्जित ज्ञान को मूल्यांकित कर सके। इस प्रकरण में आप पुस्तकालय विज्ञान में कार्यरत समूह-नेटवर्क का हिस्सा बनकर अपने ज्ञान की वृद्धि तथा अपने विचारों का मूल्यांकन कर सकते है।

प्रस्तुत पत्रिका 'लिस-इंफोटिका' हमारे कार्यकारी समूह द्वारा अपरिमित ज्ञान जगत को रेखांकित करने का अल्प प्रयास है, जिसकी अवधारणा मूलतः पुस्तकालय विज्ञान विषय स्नातक, परा-स्नातक, उच्च पाठ्यक्रम के छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा, साक्षात्कार सम्बन्धी सूचनाएँ तथा पुस्तकालयकर्मियों के प्रतिदिन कार्यों में निष्पादन करना हैं।

आप सभी की उज्जवल भविष्य की कामनाओं के साथ...

पवन कुमार सिंह
निदेशक
एल.आई.एस मेंटरस

One best book is equal to hundred good friends but one good friend is equal to a library...

DR. A. P. J. ABDUL KALAM

सलाहकार समिति

डा. महेश सिंह राणा
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष,
एन.आई.टी.,पटना

डा. मयंक युवराज
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष,
सी.एस.यू.बी.,गया

श्री मृत्युंजय आनंद
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष,
आई.आई.टी.,पटना

सम्पादकीय समूह

अमरजीत कुमार सिंह
पुस्तकालय सहायक,
दक्षिण बिहार केन्द्रिय विश्वविद्यालय,
गया, बिहार

कुमारी अमृता
सिनीयर पुस्तकालय सहायक,
चाणक्या राष्ट्रीय विधि सस्थान,
पटना, बिहार

बंदना कुमारी
पुस्तकालयाध्क्ष,
अमिटी ग्लोबल बिजेनस स्कूल
पटना, बिहार

डौली घोष
पुस्तकालय सहायक,
आर्यभट्ट सेंटर फाँर नैनों सांइस एंड नैनों टेक्नोंल्जी,
पटना, बिहार

पवन कुमार सिंह
निदेशक
एल.आई.एस मेंटरस
पटना, बिहार

शिवजी प्रसाद
सिनीयर पुस्तकालय सहायक,
चाणक्या राष्ट्रीय विधि संस्थान,
पटना, बिहार

स्वाति रानी
पुस्तकालयाध्क्ष,
मौलाना मजहरुल हक पुस्तकालय,
पटना, बिहार

भाषा सम्पादक

श्री राजेन्द्र कुमार सिंह
हिन्दी लेखक एवं कवि,
कनिष्ठ अधीक्षक (सेवानिवृत) ,
सी.डब्लू.सी.

डा. अमृत प्रजापति
हिन्दी अनुवादक, लेखक एवं कवि

"A library's function is to give the public in the quickest and cheapest way: information, inspiration, and recreation. If a better way than the book can be found, we should use it "

... Melvil Dewey

परिचय

प्रस्तुत त्रैमासिक पत्रिका 'लिस-इंफोटिका' पूर्णरूपेण इस अवधारणा पर प्रस्तावित है की इसके द्वारा पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के आधारभूत ज्ञान और कौशल को सरल व सुग्राह्य विधि से पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में अध्ययनरत छात्रों एवं इसके कार्मिकों के सैद्धांतिक व प्रायोगिक अभिगमन की संतुष्टि तथा संप्रेषण की जा सके। प्रस्तावित पत्रिका में छात्रों एवं व्यवसायिकों के ज्ञान आवश्यकता हेतु कई उपयोगी अनुभागों का समावेश किया गया है, जिसमें मुख्य आलेख, समसामयिकी, प्रश्नोत्तरी, साक्षात्कार, फुहार एवं ट्रेंडिंग टेक्नोलॉजी आदि अनुभाग विशिष्ट व सूचनाप्रदत हैं।

पत्रिका में एक विशेष अनुभाग प्रोफेशनल डायरी को समाहित किया गया हैं, जिस अनुभाग में पत्रिका से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में सम्बंधित पुस्तकालयकर्मी व छात्रों को जोड़ा जायेगा, इच्छुक पाठक अपने पासपोर्ट स्कैन फोटो तथा विवरण को पत्रिका के संपादक-समूह के ई-मेल (ed.lisinfotika@gmail.com) पर ई-मेल के विषय में "प्रोफेशनल डायरी" उल्लेखित कर भेजकर इस डायरी का हिस्सा बन सकते हैं। साथ-ही-साथ, पत्रिका आगामी अंक से दो नए अनुभाग क्रमशः "राउंड टेबल" एवं 'सवाल-जवाब एक्सपर्ट के साथ' शुरू की जाएगी, जिसका लक्षित उद्देश्य यह होगा की पुस्तकालय विज्ञान के नवागन्तुक छात्रों में विषयिक समझ और समसामयिक चेतना का सृजन किया जा सके। इन अनुभागों की विस्तृत जानकारी पत्रिका में उल्लेखित की गयी हैं। पत्रिका एवं पत्रिका के सम्पादकीय समूह का प्रबल एवं प्राथमिक उद्देस्य यह हैं की इस पत्रिका को छात्रों के लिए उपयोगी बनाना, जहाँ से वे अपनी ज्ञान आवश्यकता की पूर्ती कर सके-हमारी कोशिश पत्रिका को विद्वत्तपूर्ण बनाने की नहीं बल्कि, सूचनाप्रदत व संसाधनपरोत बनाने की हैं, जिससे नवागंतुक छात्र एवं व्यवसायिकगण ज्यादा-से-ज्यादा लाभांवित हो सके।

मौलिक रचनाओं का आमंत्रण

सभी पाठकगण विशेषतः पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के छात्रों से सविनय अनुरोध है की वे पत्रिका में समाहित सभी अनुभागों के लिए अपने विचार, सुझाव के साथ-ही-साथ, प्रमुखता से अपनी मौलिक कृति व रचनाओं को भी पत्रिका के संपादक समूह के ई-मेल (ed.lisinfotika@gmail.com) पर भेज सकते है। आपकी मौलिक कृति व रचनाओं का केंद्र-बिंदु पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के प्रायोगिक व व्यवहारिक ज्ञान ही हो। क्योंकि, उद्देश्यपूर्ण रूप में पत्रिका सैद्धांतिक एवं उच्च विद्व्ता से इतर एक ऐसा स्रोत प्रस्तुत करना चाहती है, जो पूर्णरूप से पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के छात्रों एवं व्यवसायिकगणों के कौशल का विकास कर सकें। अपनी रचनाओं को पत्रिका में प्रकाशित कराने हेतु इच्छुक पाठकों को यह सलाह है की वो अपनी रचना की उच्चगुणवता एवं मौलिकता का विशेष ध्यान रखते हुए, रचनाओं को MS – Word एप्लीकेशन में किसी भी हिंदी फॉण्ट में शुद्ध-शुद्ध रूप में टाइप कर संपादक-समूह के ई-मेल(ed.lisinfotika@gmail.com) पर अपने स्कैन पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ भेजे। ई-मेल करते समय पाठक इस बात का विशेष ध्यान रखे की रचना जिस अनुभाग से सम्बंधित है, उस अनुभाग को ई-मेल के विषय (Subject) में आवश्यक रूप में दर्शाय।

पाठकों से प्राप्त मौलिक रचनाओं का प्रकाशन संपादक एवं पत्रिका समूह द्वारा रचनाओं की मौलिकता, शब्द-समायोजन, शब्द-विन्यास तथा उच्चगुणवता के आधार पर समीक्षा उपरांत पत्रिका के आगामी अंक में की जाएगी। पाठक अपनी रचनाओं को 05 जून 2016 तक भेज सकते है। पाठकों द्वारा प्राप्त रचनाओं का प्रकाशन पत्रिका समूह के विवेक एवं निर्णय पर आधारित होगा, प्रकाशन के लिए समूह किसी भी स्तर पर बाध्य नहीं होगा। रचनाओं के प्रकाशन के लिए पाठक पत्रिका समूह को किसी भी हाल में इंगित नहीं कर

लाईब्रेरी प्रोफेशनलस डायरी-प्रथम खंड

1
अमरजीत कुमार सिंह
पुस्तकालय सहायक,
दक्षिण बिहार केन्द्रिय विश्वविद्यालय,
गया, बिहार

2
कुमारी अमृता
सिनीयर पुस्तकालय सहायक,
चाणक्या राष्ट्रीय विधि संस्थान,
पटना, बिहार

3
बंदना कुमारी
पुस्तकालयाध्क्ष,
अमिटी ग्लोबल बिजेनस स्कूल
पटना, बिहार

4
डौली घोष
पुस्तकालय सहायक,
आर्यभट्ट सेंटर फाँर नैनों
सांइस एंड नैनों टेक्नोंल्जी,
पटना, बिहार

5
डा. महेश सिंह राणा
सहायक पुस्तकालयाध्क्ष,
एन.आई.टी.,पटना,
बिहार

6
डा. मयंक युवराज
सहायक पुस्तकालयाध्क्ष,
सी.एस.यू.बी.,गया,
बिहार

7
श्री मृत्युंजय आनंद
सहायक पुस्तकालयाध्क्ष,
आई.आई.टी.,पटना,
बिहार

8
निखिल सिंह
बी॰लिब॰आई॰एससी

9
नेहा गुप्ता
एम॰लिब॰आई॰एससी

10
नूरी खातुन
एम॰लिब॰आई॰एससी

11
पवन कुमार सिंह
निदेशक
एल.आई.एस मेंटरस
पटना, बिहार

12
प्रेक्षा कुमारी
एम॰लिब॰आई॰एससी

13
शिवजी प्रसाद
सिनीयर पुस्तकालय सहायक,
चाणक्या राष्ट्रीय विधि संस्थान,
पटना, बिहार

14
स्वाति रानी
पुस्तकालयाध्क्ष,
मौलाना मजहरुल हक पुस्तकालय,
पटना, बिहार

15
वंदना ठाकुर
एम०लिब०आई०एससी

16
विनीता आनंद
बी०लिब०आई०एससी

"LIBRARIES STORE THE ENERGY THAT FUELS THE IMAGINATION. THEY OPEN UP WINDOWS TO THE WORLD AND INSPIRE US TO EXPLORE AND ACHIEVE, AND CONTRIBUTES TO IMPROVING OUR QUALITY OF LIFE. LIBRARIES CHANGE LIVES FOR THE BETTER."

—— SIDNEY SHELDON

समसामयिकी

बिग डेटा: बिग डेटा का सन्दर्भ उन आंकड़ों से है जो स्वाभाविक रूप से जटिल तथा गणनात्मक रूप में अत्यधिक बड़े होते हैं। जिसके नियंत्रण एवं प्रयोग के लिए उत्कृष्ट माध्यम एवं प्रमाणिक टूल्स की आवश्यकता होती हैं । वर्तमान समय में, सूचना एवं प्रौद्योगिकी जगत का ध्यान और खोज इसी बिंदु पर लक्षित हैं की बिग डेटा को सरलतापूर्वक संचालित एवं व्यवस्थित कैसे किया जाये ?

अलटमेट्रिक्स: अलटमेट्रिक्स शब्द "अल्टरनेटिव मैट्रिक्स" का संयुक्ताक्षर है, जो नयी शोध मापक विधि है, जिसकी सहायता से वैकल्पिक रूप में शोध की उत्पादिकता एवं प्रभाव का मापन किया जाता है।

परिभाषित रूप में, "अलटमेट्रिक्स" शोध प्रभाव(impact factor and h-index) को मापित करनेवाली पूर्णतः नयी विधि है जो सोशल वेब पर उपस्थित शोध प्रभाव को विश्लेषित करती है ।

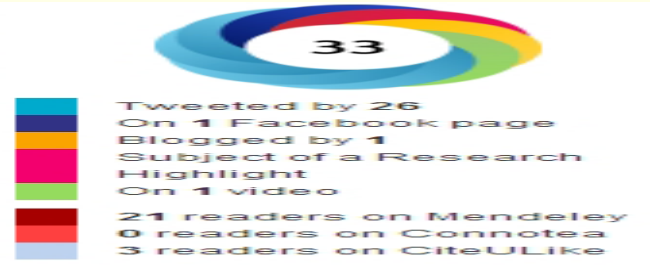

क्राउड सोर्सिंग: क्राउड सोर्सिंग एक ओन-लाइन कार्य-प्रणाली हैं, जिसमे किसी कार्य या निधिकरण स्रोत को कई व्यक्तियों के समूह द्वारा सम्पन किया जाता हैं । इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य किसी ओन-लाइन प्रोजेक्ट के लिए अनेकों व्यक्तियों के विचार, सहभागिता को एक मंच (यथा ओन-लाइन प्लेटफार्म) पर एकत्रित किया जाना होता हैं, ताकि कार्य की उत्पादिकता एवं गुणवत्ता में वृद्धि हो।

उदहारण :- विकिपीडिआ

वर्चुअल रियलिटी [VRs] (आभासी यथार्थ): वर्चुअल रियलिटी कंप्यूटर वातावरण आधारित व् उत्पादित वैसी अनुभूति हैं जो वास्तविक न हो कर भी यूजर को वास्तविकता का अहसास कराती हैं । वर्चुअल रियलिटी प्रक्रिया में त्रि-आयामी वातावरण एवं छवि का प्रयोग वास्तविक अनुभूति के लिए किया जाता हैं, जिसे यूजर विशिष्ट इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज़ की सहायता से अनुभव करता हैं।

ऑगमेंटेड रियलिटी [ARs] (संवर्धित वास्तविकता): संवर्धित वास्तविकता इलेक्ट्रॉनिक व् वास्तविक वातावरण से समग्रत एक ऐसी तकनीक हैं जिसमें डिजिटल सूचना लाइव विडियो के साथ तथा यूजर के वास्तविक वातावरण को एकत्रित व् एकीकृत कर प्रस्तुत की जाती हैं।संवर्धित वास्तविकता वातावरण को तैयार करने के लिए कई सॉफ्टवेयर प्रचलन में हैं, इनमे से कुछ प्रमुख सॉफ्टवेयर उद्धरणार्थ निम्न हैं :-

Aurasma, Layer एवं AR TooLKIT

रियली सिंपल सिंडिकेशन (RSS):रियली सिंपल सिंडिकेशन अर्थात आर.एस.एस (RSS) वेब-वितरण के लिए प्रामाणिक सिस्टम माना जाता

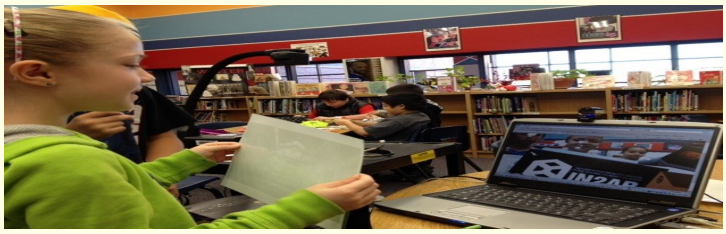

हैं । RSS की सहायता से ऑनलाइन वेब पब्लिशर द्वारा इंटरनेट यूजर को वेब-कंटेंट उपलब्ध कराया जाता हैं ।

संक्षिप्ताक्षर

१. MOOC : Massive Open Online Course

२. RDA = Resource Description & Access

३. PLA = Public Library Association

४. LIPHIS = Linked Phrase Indexing System

५. EUAL= End User Licensing Agreement

क्रमशः .....

.....

अमरजीत सिंह

पुर्नावलोकन

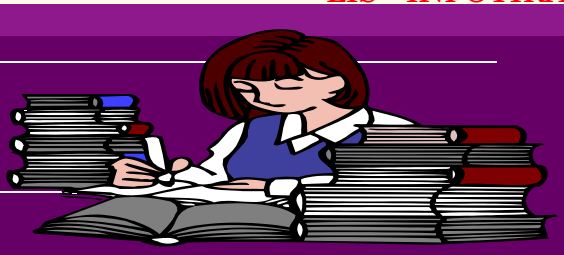

पेजीनेसन *(Pagination) क्या है ?*

पुस्तकालयों के रीकॉर्ड एवं अभिलेखों के ग्रन्थात्मक विवरण संप्रेशन में पेजीनेसन (Pagination) प्रक्रम का प्रयोग किया जाता है। पेजीनेसन (Pagination) प्रक्रम में पुस्तकालय अभिलेख अर्थात प्रलेखो में उपस्थित उच्च रोमन संख्यावाले पृष्ठ क्रम संख्या (यथा, प्री-पेज) और उच्च इंण्डो-अरैबीक संख्यावाले पृष्ठ क्रम संख्या(यथा, लास्ट्पेज) के विन्यास का समावेश किया जाता हैं, पेजीनेसन (Pagination) विन्यास को पुस्तकालय के वातावरण मे निम्न प्रकार से लिखा जाता है :-

xii, 200 p. (पुस्तकालय वातावरण में ग्रंन्थात्मक विवरण के लिये पेजीनेसन विन्यास)

साइटेसन *(citation) क्या है ?*

जब किसी अन्य की कृति के भाग को किसी अन्य रचना में समाहित किये जाने का उद्धरण प्रस्तुत करने की प्रक्रिया ही कहलाती हैं ।

रेक्टो पेज *(Recto Page) क्या है ?*

किसी पुस्तक का प्रथम पृष्ठ रेक्टो पेज (Recto Page) कहलाता हैं। रेक्टो पेज को निम्न बिन्दुओं के आधार पर भी पहचाना जा सकता हैं :-

- ◊ रेक्टो पेज हमेशा पुस्तक में दाहिने हाथ तरफ होती हैं ,
- ◊ सभी रेक्टो पेज विषम संख्या से अंकित होती हैं ,
- ◊ सामान्यतः, पुस्तक का टाइटल पेज रेक्टो पेज पर होता हैं, साथ-ही-साथ; टेबल ऑफ़ कंटेंट्स, प्रीफेस, इंट्रोडक्शन तथा चैप्टर हेअडिंग्स भी रेक्टो पेज पर होता हैं ।

वर्सो पेज *(Verso page) क्या है ?*

किसी पुस्तक का टाइटल पृष्ठ के ठीक पीछेवाला पेज वर्सो पेज (Verso page) कहलाता हैं। वर्सो पेज को निम्न बिन्दुओं के आधार पर भी पहचाना जा सकता हैं :-

- ◊ वर्सो पेज हमेशा पुस्तक में वाँयें हाथ तरफ होती हैं,
- ◊ सभी वर्सो पेज सम संख्या से अंकित होती हैं -
- ◊ सामान्यतः, पुस्तक का कॉपीराइट्स सूचना, ISBN तथा अन्य सूचना वर्सो पेज पर होता हैं ।

समाचार डायरी

राष्ट्रीय समाचार

चंडीगढ: बुधवार, 10 फरवरी 2016 को ए.सी.जोशी पुस्तकालय, पंजाब विश्विधालय के तत्वाधान में 'एंटी-पलागरीज्म सॉफ्ट्वेयर (anti-plagiarism software)' पर एक दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया। यह एक दिवसीय वर्कशॉप 'शोधगंगा' (भारतीय विश्विधालय द्वारा प्रकाशित थीसीस (theses) तथा डिसेरॉसन (dissertations) की एक डिजिटल रीपोजिटारी (digital repository)) तथा 'उर्कुन्द (Urkund)' (एक 'एंटी-पलागरीज्म सॉफ्ट्वेयर) पर आधारित थी, जिसमें पंजाब विश्विधालय के faculty members एवं शोधार्थियों की सहभागिता रही। मनोज कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक, इंन्फार्मेशन एंड लाइब्रेरी नेटवर्क (INFLIBNET) द्वारा इस कार्यशाला का संचालन हुआ।

(सौजन्य: द टाइम्स ऑफ इंडिया, चंडीगढ सिटी, 11 फरवरी, 2016)

अंतर्राष्ट्रीय समाचार

न्यूज़ीलैंड: ९ मार्च बुधवार २०१६, न्यूज़ीलैंड के राष्ट्रिय पुस्तकालय के तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन का आयोजन हुआ, "डायरेक्टर्स ऑफ़ नेशनल लाइब्रेरी एट एशिया एंड ओसिआना" नमक इस सम्मलेन में २१ एशियाई-पसिफ़िक देशों यथा ऑस्ट्रेलिया ; ब्रूने दारुस्सलाम ; चीन ;कुक आइलैंड ; फिजी ; इंडिया ; इंडोनेशिया ; जापान ; रिपब्लिक ऑफ़ कोरिया ; मलेशिया ; न्यूज़ीलैंड ; पाकिस्तान ; पापुआ न्यू गिनी ; फिलीपींस ; सामोआ ; सिंगापुर ; सोलोमन आइलैंड ; श्रीलंका ; थाईलैंड ; तिमोर-लेस्ते ; वियतनाम के प्रतिनिधिओं ने सहभागिता दिखाई- इस सम्मेलन का उद्घाटन न्यूज़ीलैंड के आंतरिक मामलों के मंत्री पीटर दुन्ने के द्वारा किया गया- इस सम्मेलन का विषय एवं थीम "राष्ट्रीय पुस्तकालयों की समस्याऐ एवं इसके निवारण के लिए कार्यनीति" जिसकी अध्यक्षता न्यूज़ीलैंड के राष्ट्रीय पुस्तकालय के पुस्तकालयाध्क्ष 'बिल मैनौघ्ट' द्वारा की गई। यह सम्मेलन साल में एक बार होती हैं और प्रथम बार न्यूज़ीलैंड इसकी मेजबानी कर रहा था।

(साभार: http://librarylearningspace.com/conference-directors-national-libraries-asia-oceania/)

क्षेत्रीय समाचार

9 साल की मुस्कान झुग्गी-झोपड़ी के बच्चों के लिए चलाती है लाइब्रेरी

(साभार:- आजतक.इन , नई दिल्ली, १७ मार्च २०१६)

झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले बच्चों के लिए भोपाल की 9 साल की बच्ची लाइब्रेरी चलाती है. जिसका नाम 'बाल पुस्तकालय' है। जिस काम को शुरू करने के बारे में बड़े-बड़े लोग सोचते रह जाते हैं. उस काम को अगर एक 9 साल की बच्ची शुरू कर दे तो यह किसी आश्चर्य से कम नहीं है। हमारे समाज के वरिष्ठ लोगों की यह कोशिश होती है कि वे एक पुस्तकालय खोलें लेकिन ज्यादातर लोगों का यह सपना अधूरा ही रह जाता है।मुस्कान अहिरवार 9 साल की हैं. वो तीसरी कक्षा की छात्रा हैं. हर दिन वो 4 बजे शाम में स्कूल से घर आती हैं. उसके बाद अपने घर के बाहर किताबें सजाती हैं, कहानियां सुनाकर बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।

सरकार से मिली मदद:

पिछले साल स्टेट एजुकेशन बोर्ड की ओर से उन्हें 25 किताबें दी गई थी. इन किताबों की संख्या अब बढ़कर 119 हो गई है. राज्य शिक्षा केंद्र ने उन्हें पुस्तकालय संभालने की जिम्मेदारी दे दी है. संभवत: मुस्कान भारत की सबसे कम उम्र की लाइब्रेरियन है।

वेब टेक्नॉलाजी अपडेट

वेबिनार (WEBINAR)

वेबिनार शब्द दो अलग-अलग अर्थपूर्ण शब्दों यथा "वेब" एवं "सेमिनार" से बना है, सामान्य अर्थ में वेबिनार (WEBINAR) को वेब आधारित सम्मेलन भी कह सकते हैं।

इतिहास

- *प्रथम वेब सम्मेलन (Web Conferencing) कि शुरुआत स्टारलाइट नेटवर्कस द्वारा की गयी थी ।*
- *वेबिनार पद को 1988 में सर्वप्रथम "Eric R. Korb" द्वारा पंजीकृत करवाया गया था।*

परिभाषा

ऑक्सफोर्ड डिक्सनरी के अनुसार " बेवीनार एक वेब आधारित सेमिनार होता है जो इटरनेट की सहायता से दिया जाता है जिसमें दुर भौगोलिक स्थान की बाध्यता नहीं रहती है

विशिष्ट विशेषता:

साझा स्क्रीन प्रदर्शन: वेवीनार मे सेमीनार प्रस्तुतिकरता के कम्प्यूटर डिस्पले मे जो भी प्रदर्शित होता है,वही प्रदर्शन श्रोता के कम्प्यूटर डिस्पले मे भी होता है।

साझा नियंत्रण: इसमें सेमीनार के प्रस्तुतिकर्ता (होस्ट) के प्रदर्शित स्क्रीन का नियंत्रण प्रतिभागियों द्वारा साझा रुप में होता है ।

पोलिंग सर्वे क्षमता: वेवीनार मे प्रयोजनकर्ता को सुविधा प्राप्त होती है जिसकी सहायता से श्रोताओं से बहुविकल्पीय प्रश्नों द्वारा सर्वेक्षण कर सकते है

होस्टिग वेन्डर : वेवीनार मे आयोजन विभिन्न वेन्डर द्वारा होता है जो वेब वेस्ड सेमिनार के आयोजन एवं वेब सेवा प्रस्तुत करने हेतु प्रतिभागियों की संख्या , मासिक शुल्क तथा प्रति मिनट के आधार पर शुल्क लेते है

वेवीनार होस्ट करने वाले मुख्य वेन्डर :

1. बिग ब्लू बटन
2. फ्यूज मीटिग
3. माइक्रोसॉफ्ट आफ़िस
4. स्काइप
5. वेब ट्रेन
6. ओपेन मीटिंग्स

OCLC एवं पुस्तकालय प्रदत सेवाय: एक परिचय

संस्था परिचय

OCLC अर्थात ऑनलाइन कंप्यूटर लाइब्रेरी सेंटर की स्थापना 1967 में ऑहियो कॉलेज लाइब्रेरी सेंटर के रूप में की गयी थी, जिसे परिवर्तित कर ऑनलाइन कंप्यूटर लाइब्रेरी सेंटर का नाम दिया गया। OCLC एक अलाभ्य संस्था के रूप में पुस्तकालय समुदाय

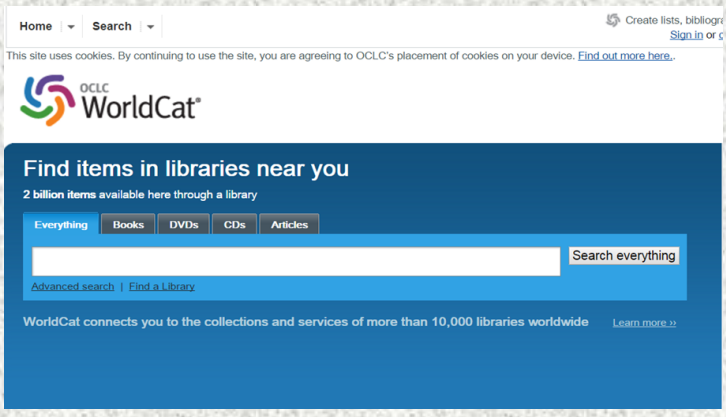

को सदस्य के रूप में जोड़ती हैं।

कार्य एवं उद्देस्य

OCLC प्रमुख उद्देस्य विभिन्न पुस्तकालय को सदस्य के रूप में सामुदायिक स्तर पर जोड़ना है I साथ-ही-साथ OCLC का लक्ष्य पुस्तकालय सेवाओ में कंप्यूटर एवं टेक्नोलॉजी की उपयोगिता में वृद्धि के लिए कार्य करना तथा शोध संस्थान के रूप में कार्य करना हैं।

संस्थानात्मक विचारधारा

वास्तविक रूप में, OCLC की विचारधारा यह हैं की "कम-से-कम सूचना मूल्य पर सूचनाओं को वैश्विक स्तर पर आमजन को उपलब्ध कराया जाय।"

वेबसाइट

www.oclc.org

विशेष उपलब्धि

यद्यपि OCLC पुस्तकालय सेवा लक्षित संस्था के रूप में इसकी कई उपलब्धियाँ हैं, जिसमें इसके द्वारा संचालित OPAC (ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटेलॉग) इसकी विशिष्ट उपलब्धि हैं I इसके द्वारा संचालित OPAC जिसे विश्व का विशालतम लाइब्रेरी कैटेलॉग माना जाता हैं।

वर्तमान में, पूरे विश्व में इसकी प्रमुख सेवाओ मुख्यत: वर्ल्ड कैट (https://www.worldcat.org/) से पुस्तकालयकर्मी अपने दिन-प्रति-दिन के कार्यो आवश्यकता अनुरूप ऑनलाइन डेटाबेस का प्रयोग कर लाभान्वित हो रहे हैं।

OCLC द्वारा प्रदत उत्पाद एवं सेवाएँ

OCLC पुस्तकालय एवं उनकी सेवाओं को सूचनागत बनाने हेतु कई सेवाओं व् उत्पाद को धारित करता है, पाठकों के अध्ययन सुविधा के लिए OCLC की प्रचलित मुख्य सेवाओं को निम्न रूप में उल्लेखित किया जा रहा है :-

प्लेटफार्म :

वेबजक्शन: वेबजक्शन OCLC द्वारा संचालित पब्लिक लाइब्रेरी स्टाफ का वैसा प्लॅटफॉर्म है, जहाँ पब्लिक लाइब्रेरीज के विकास के लिए ज्ञान, कौशल आदि को आपस में साझा किया जाता है ।

वेबसाइट

https://www.oclc.org/webjunction.en.html

सेवाएँ (Services):

वर्ल्ड कैट :

वर्ल्डकैट OCLC द्वारा संचालित वैस्विक स्तर की वह यूनियन कैटेलॉग सेवा है जिसमे 170 देशों और प्रदेशों के पुस्तकालयों के लगभग 72,000 संग्रहों का सहकारी बिब्लिओग्रफिकल डिस्क्रिप्शन है।

वर्ल्डकैट डिस्कवरी सर्विसेज :

वर्ल्डकैट डिस्कवरी सर्विस वर्ल्डकैट की एक खोज सेवा है जिसकी सहायता से सिंगल सर्च की से इसके सूचकांक में स्थित विश्व के पुस्तकालयों में उपस्थित 1.9 अरब, इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल और भौतिक संसाधनों तक पहुँच प्रदान करता है। यह सेवा वर्ल्डकैट तथा धारित डेटाबेस के 2200 से अधिक ई-सामग्री संग्रह का प्रतिनिधित्व करता है।

वर्ल्डकैट लोकल :

OCLC वर्ल्डकैट के अंतर्गत आनेवाली इस सेवा में वर्ल्डकैट लोकल द्वारा वर्ल्डशेयर™ मैनेजमेंट सर्विसेज के यूज़र्स को पुस्तकालय के स्थानीय स्तर के संसाधनों को डिस्कवरी सेवा के लिए इंटरफ़ेस प्रदान करता हैं।

वर्ल्डकैट डिजिटल कलेक्शन गेटवे :

वर्ल्डकैट डिजिटल कलेक्शन गेटवे एक वेब-आधारित टूल्स हैं जो अपने यूज़र्स को वर्ल्डकैट में डिजिटल सामग्रियों के मेटाडेटा को अपलोड करने की सुविधा प्रदान करता हैं ।

कंटेंट डीएम (CONTENTdm) :

OCLC द्वारा संचालित यह वेब-आधारित सेवा जो डिजिटल सामग्रीओं का संग्रहण व प्रबंधन करता हैं- इसके साथ इस सेवा के अंतर्गत डिजिटल सामग्रीओं के प्रबंधन, अपलोड के लिए टूल्स एवं डिस्कवरी सेवा के लिए इंटरफ़ेस की सुविधा होती हैं। कंटेंट डीएम का अपना सर्वर होने के कारण वेब-होस्टिंग सर्विसेज भी प्रदान करती हैं ।

प्रश्नोत्तरी

1. ग्रे-मेल क्या है?
   एक अनचाहा ई-मेल
2. कम्प्यूटर साक्षरता दिवस कब मनाया जाता है ?
   02 दिसम्बर
3. यूनिक्स का विकास कब हुआ?
   1969
4. इण्टरनेट पर सबसे लोकप्रिय नेविगेशन टूल कौन है ?
   वर्ल्ड वाइड वेब
5. भारत मे किस नेटवर्क ने सर्वप्रथम ई-मेल की सुविधा प्रदान की थी?
   डेलनेट
6. आर एस एस फ़ीड किसका उपकरण है?
   वेब 2.0
7. किस प्रोटोकौल को इण्टरनेट पर फाइल अन्तरण के लिए प्रयुक्त किया जाता है?
   एफटीपी
8. वर्ल्ड वाइड वेब को सवप्रथम किसने डिजाइन किया था?
   टिम बर्नर्स ली
9. डबलिन कोर मेटा डैटा मे कितने अवयव शामिल होते है?
   15 अवयव
10. साइबर स्पेस शब्द का उपयोग सबसे पहले किसने किया?
    विलियम गिब्सन

नॉलेज पोर्टल

प्रायोगिक वर्गीकरण के मूलाधार
(पुस्तकालय वर्गीकरण के आधारभूत टिप्स)

पुस्तकालय विज्ञान के नवावंतुक छात्रों के लिए पुस्तकालय वर्गीकरण प्रारम्भ में इसकी जटिलता के कारण कठिनाई उत्पन्न करती हैं। प्रस्तुत आलेख के माध्यम से हम वर्गीकरण के लिए मूलभूत टिप्स दे रहे हैं जो किसी भी प्राम्भिक वर्गीकारक के लिए लाभदायक सिद्ध होंगी । इस उद्धरण में कहा जा सकता है की आजकल कई वेब टूल्स (यथा http://classify.oclc.org/classify2/) एवं बिब्लिओग्रफिक डेटाबेस की सहायता से सरलतापूर्वक प्रलेखों का वर्गीकरण किया जा सकता है; परन्तु , नए छात्रों के लिए जिन्होंने पुस्तकालय विज्ञान में शुरुवात की हैं उन्हें इन प्रैक्टिस से बचना चाहिए। मूलतः ये टूल्स पुस्तकालयकर्मियों के कार्यों में तीव्रता लाने हेतु उपयोगित हैं, नए छात्रों द्वारा इसका उपयोग उन्हें वर्गीकरण के सतही ज्ञान से वंचित कर देता हैं। अतः, छात्रों को वर्गीकरण का तीव्र ज्ञान उनके कैरियर उन्हें सफल करता है; क्योंकि, वर्गीकरण कई संस्थानों में भर्ती चयन का अहम् हिस्सा होती है।

परिभाषा

सामान्य रूप में, पुस्तकालय वर्गीकरण "वर्गीकरण की वैसी संज्ञानात्मक प्रक्रिया है जिसमे वर्गीकारक किसी प्रमाणित पुस्तकालय वर्गीकरण पद्धति की सहायता से प्रलेखों को उसके विषय के आधार पर ग्राह्य अंकन प्रणाली से अंकन प्रदान करता है, प्रलेख के इस अंकन के आधार पर उसे पुस्तकालय के शेल्फ पर क्रम-विन्यास में व्यवस्थित किया जाता है। "

पुस्तकालय में प्रलेख वर्गीकरण की आवश्यकता

पुस्तकालय में प्रलेखों के वर्गीकरण की मुख्य दो आवश्यकता होती है :- प्रथम पुस्तकालय उपभोक्ता के प्रलेख खोज में विषय अभिगमन की संतुष्टि करना, द्वितीय; पुस्तक निधानी (shelves) पर प्रलेखों का क्रम-विन्यास रूप में व्यवस्थापन जिससे पुस्तकालयकर्मी तथा पुस्तकालय उपभोक्ता सरलतापूर्वक आवश्यक प्रलेख को ढूंढ सके ।

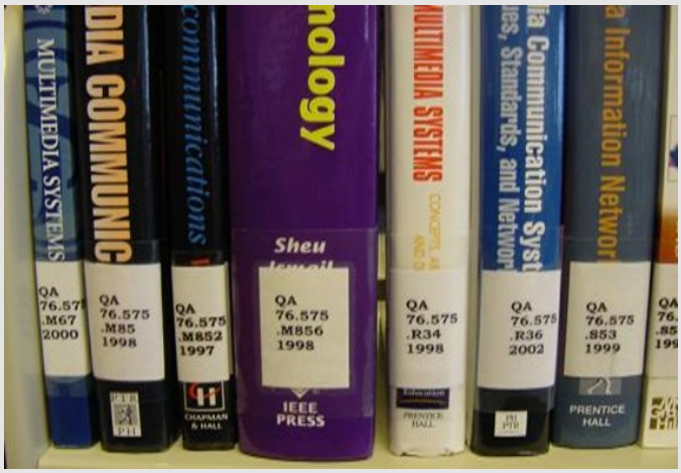

नवागंतुकों के लिए वर्गीकरण के टिप्स

चूकि, पुस्तकालय वर्गीकरण का केंद्रीय तत्व प्रलेख का विषय होता है; इसीलिए, वर्गीकरण की शुरुवात करने से पहले लर्नर को यूनिवर्स ऑफ़ नॉलेज में मौजूद सभी विषयों का यथा संभव ज्ञान आवश्यक होता है , हालांकि; यह अनिवार्यता उन लर्नर पर विशेष रूप पर लागू होता हैं जो कम समय में ज्यादा-से-ज्यादा आख्याओं का शुद्ध वर्गीकरण करने की क्षमता विकसित करना चाहते हैं। यहाँ हम वर्गीकरण से सम्बंधित कुछ मूलभूत प्रैक्टिस लर्नर्स को दे रहे हैं, जो की सैद्धांतिक तो नहीं हैं; परन्तु, नवागंतुकों के लिए उपयोगी सिद्ध होंगी :-

⇒ सर्वप्रथम, एक नोट बुक्स बनाये जिसमें उन विषय पदों (Terms) को नोट करे जो प्रतिदिन व्यहवार में आते है I परन्तु, आप उन पदों से परिभाषित रूप में अपरिचित हैं।

जैसे :- पैथोलॉजी, अर्थक्वेक, मेडिकल ट्रांसक्रिप्शन, नेगोसिएशन, डिप्लोमेसी इत्यादि।

⇒ अब इन नोट किये गए पदों की परिभाषा जानने की कोशिश करे,

⇒ अब इस ज्ञात परिभाषित पदों की प्रकृति अर्थात पद किस विषय से सम्बंधित हैं या इनका अध्ययन किस विषय के अंतर्गत किया जाता हैं, पता करेंगे,

इस प्रकार, प्रथम चरण में लर्नर्स इन टिप्स की सहायता से पुस्तकालय वर्गीकरण की पहली आधारभूत कौशल अर्थात विषय एवं विषय पदों का विषय के साथ तारतम्यता को समझ व जान पाएंगे ।

क्रमशः (जारी हैं अगले अंक में....)

KNOW YOUR CAMPUS

• चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय पुस्तकालय

यह कहा जाता है कि किसी विश्वविद्यालय की कल्पना पुस्तकालय के बिना नहीं की जा सकती। पुस्तकालय को विश्वविद्यालय का हृदय और आत्मा कहा जाता है। चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (सीएनएलयू) पटना, पुस्तकालय भी ज्ञान के मंदिर के रूप में कार्य करते हुए, सभी स्तरों पर व्यापक विधिक शिक्षा प्रदान करने के विश्वविद्यालय के लक्ष्यों, को प्राप्त करने के लिए एक प्रमुख साधन है।

चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की स्थापना बिहार सरकार द्वारा एन.ए.एल.एस.आर. हैदराबाद, एन.एल.एस.आई.यु. बैंगलोर तथा अन्य नेशनल लॉ विश्वविधालयो की तर्ज़ पर राज्य में गुणवत्तापूर्ण विधिक शिक्षा प्रदान करने तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय क़ानूनी मानकों के प्रचार- प्रसार के प्रयासों के फलस्वरूप विधि के क्षेत्र में ख्यातिप्राप्त शिक्षाविद प्रो (डॉ) ए लक्ष्मीनाथ के सक्षम नेतृत्व में १५ अगस्त 2006 को ए.एन. सिन्हा संस्थान, पटना के परिसर में की गयी। विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही पुस्तकालय भी अस्तित्व में आया।

वर्तमान में पुस्तकालय मीठापुर,न्यायनगर स्थित एजुकेशनल हब के क्षेत्र में स्थापित विश्वविद्यालय परिसर में एक विशाल तीन मंज़िली ईमारत "निशांत निलयम" के पहली मंज़िल पर स्थित है। 18 एकड़ में फैले विश्वविद्यालय परिसर के सुरम्य एवं शांतिपूर्ण वातावरण में पुस्तकालय छात्रों एवं शोधार्थियों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

उद्देश्य:

1. विश्वविद्यालय के लक्ष्यों की प्राप्ति में पूर्णत: सहायक होना।
2. ज्ञान के मंदिर के रूप में कार्य करना।
3. विधि की सभी शाखाओ में उन्नत एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अध्ययन तथा अनुसन्धान को बढ़ावा देना।
4. विधिक शिक्षा के प्रचार-प्रसार के द्वारा कानून एवं न्याय प्रणाली को मजबूत बनाने में सहायक होना।
5. विधि के क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सूचना श्रोतो के संग्रह एवं इसके प्रसार के द्वारा व्यापक और उन्नत विधिक शिक्षा का प्रसार।

आतंरिक संरचना:

सीएनएलयू पुस्तकालय लगभग 1519.6 स्क्वार मी क्षेत्र में फैला हुआ है जो मुख्यतः तीन भागो में बंटा है -टेक्स्टबुक सेक्शन, रेफेरेंस सेक्शन और पिरिओडिकल सेक्शन। इसके अतिरिक्त छात्रों को ग्रुप डिस्कशन के लिए अथवा पर्सनल किताबों के अध्ययन हेतु एक पृथक हॉल की व्यवस्था है। छात्रो की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुस्तकालय को पूर्णतः वातानुकूलित और वाई-फाई सुविधा से युक्त किया गया है। छात्रों को ऑनलाइन रिसोर्सेज तथा अन्य अद्यतन सूचनाओं से अपडेट रखने के लिए मुफ्त इंटरनेट की सुविधा प्रदान की गयी है जिससे वे अपने निजी लैपटॉप पर ही सभी आवश्यक सूचना प्राप्त कर सके।

कार्य समय:

पुस्तकालय छात्रों एवं शोधार्थियों की सुविधा को देखते हुए सुबह 9 से रात 9 बजे तक खुली रहती है। राष्ट्रीय अवकाश को छोड़ कर प्रायः सभी रविवार एवं सार्वजनिक अवकाश पर भी पुस्तकालय सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक खुली रहती है।

पुस्तकालय संसाधन:

विश्वविद्यालय के उदेश्य की प्राप्ति की दिशा में सहायक सिद्ध होते हुए पुस्तकालय में पाठ्य सामग्री एवं सन्दर्भ स्त्रोतों का व्यापक संग्रह का संकलन किया गया है जो मुख्यतः विधि एवं संबंधित विषयो से है जो विधि के शिक्षण अनुसन्धान एवं सन्दर्भ उदेश्यो के लिए उपयोगी है। अपने विकासशील अवस्था में ही पुस्तकालय ने सन्दर्भ पुस्तके, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्र पत्रिकाओं, रिपोर्ट, केस लॉ इत्यादि के नए पुराने संस्करणों की विस्तृत श्रृंखला एवं दुर्लभ विधि पुस्तको का व्यापक संग्रह का अधिग्रहण कर लिया है। कानून विषयों के अतिरिक्त यहाँ सामाजिक विज्ञान, मैनजमेंट, इतिहास, और साहित्य इत्यादि विषयों से संबंधित पाठ्य पुस्तकों का भी एक अच्छा संकलन उपलब्ध है। पुस्तकालय में ऑनलाइन संसाधनो जैसे **Westlaw, Hein law, Jstor, Cla-online, SCC Online, Lexis India,** इत्यादि का भी समुचित संकलन है। इसके अतिरिक्त पाठकों के लिए पर्याप्त संख्या में **CD-Rom** इत्यादि भी उपलब्ध है।

पुस्तकालय की अधिग्रहण नीति, सन्दर्भ और सामान्य पुस्तकों, दोनों प्रकार पर जोर देती है। यधपि विधि की किताबें एवं सन्दर्भ स्रोत अपेक्षाकृत् ज्यादा समृध्य है। पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधनो को मुख्यतः दो भागों में बांटा जा सकता है:

१. प्रिंट कलेक्शन
२. ई - डेटाबेस

कलेक्शन -

सीएनएलयू पुस्तकालय में राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय तथा तुलनात्मक विधि से संबंधित पाठ्यपुस्तकों तथा सन्दर्भ ग्रंथो का व्यापक एवं उत्कृष्ट संकलन है। वर्तमान में पुस्तकालय में लगभग 15000 पाठ्यपुस्तकें, विधि विषय में प्रख्यात विद्वानों की कमेंट्रीज़ की पूरी श्रृंखला, सन्दर्भ ग्रन्थ , इनसाइक्लोपीडिया , शब्दकोष, विधि शब्दावली,डाइजेस्ट,राष्टीय अंतर्राष्ट्रीय कानून के रिपोर्ट,जर्नल इत्यादि का विस्तृत संग्रह है। यधपि, पुस्तकालय मे समाज अध्ययन, इतिहास, अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य विषयो की पुस्तको का भी पर्याप्त संकलन है, पर पुस्तकालय के समस्त संग्रह का मुख्य फोकस विधि विषय में अनुसन्धान एवं विकास को बढ़ावा देना है। और इसीलिए यहाँ विधिशास्त्र, संवैधानिक विधि, अपराधिक विधि, बौद्धिक सम्पदा विधि, साइबर विधि, मानव अधिकार विधि, पब्लिक एवं प्राइवेट अंतर्राष्ट्रीय विधि, बिज़नेस विधि, आर्थिक विधि, मध्यष्तता एवं श्रम विधि इत्यादि विषयो पर अधिक जोर दिया गया है। पुस्तकालय में लगभग 30 अंतर्राष्ट्रीय और 34 राष्ट्रीय जर्नल्स के प्रकाशन वर्ष से लेकर अब तक का समस्त सेट मौजूद है। इनके अतिरिक्त थीसिस एवं डिज़र्टेशन का भी अच्छा संग्रह है।

इनके अतिरिक्त पुस्तकालय में विधि एवं अन्य विषयों से सम्बंधित राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के लगभग 45 पत्र-पत्रिकाओं का भी अधिग्रहण किया जाता है। इसके साथ ही चाणक्य राष्ट्रिय विधि विश्वविद्यालय के द्वारा भी वार्षिक जर्नल "सीएनएलयू लॉ जर्नल" का प्रकाशन किया जाता है। पुस्तकालय में अन्य संस्थानों से भी कई जर्नल्स एक्सचेंज प्रोग्राम के जरिये प्राप्त होते है।

ई - डेटाबेस -

वर्तमान सूचना तकनीक के युग में पाठकों को त्वरित सूचना सेवा प्रदान करने हेतु इलेक्ट्रॉनिक रिसोर्सेज, चाहे वो ऑनलाइन हो या ऑफलाइन, का बहुत महत्व है। चाणक्य विधि विश्वविद्यालय पुस्तकालय में भी कई महत्वपूर्ण ई-डेटाबेस उपलब्ध हैं जिनका उपयोग विश्वविद्यालय के पोर्टल के माध्यम से किया जा सकता है। ये ई-डेटाबेस निम्न हैं:-

- Lexis India- यह भारतीय विधि संबंधी सूचनाओं का एक विस्तारित डेटाबेस है। लेक्सिस इंडिया के अन्तर्गत भारत के सुप्रीम कोर्ट और राज्यों के उच्च न्यायालयों के केस लॉ, केन्द्रीय सरकारी विधान, 60 से अधिक विधि के संकायों पर विधिक टिप्पणियाँ, जर्नल्स और कानूनी शब्दकोशों सहित भारतीय पत्रिकाओं का संग्रह उपलब्ध हैं।
- WestLaw - यह वकीलों और कानूनी पेशेवरों के लिए प्राथमिक ऑनलाइन कानूनी अनुसंधान सेवाओं में से एक है। वेस्टलॉ पर सूचना स्रोतों, केस लॉ, राज्य और संघीय विधियों, प्रशासनिक कोड, अखबार और पत्रिका के लेख, सार्वजनिक रिकॉर्ड, कानून पत्रिकाओं, कानून समीक्षाएँ, ग्रंथ, और भारत, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, ब्रिटेन और संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ के 40,000 से अधिक डेटाबेस शामिल हैं। इसके अलावा लगभग 1600+ अकादमिक पत्रिकाओं भी इस में शामिल हैं।
- JSTOR में लगभग 50 विषयों में 1,500 से अधिक जर्नल्स और अधिक से अधिक 2000+ebooks के अभिलेखीय संग्रह शामिल है। JSTOR में पत्रिकाओं, पुस्तकों और अभिलेखीय सूचना सहित पूर्ण कवरेज उपलब्ध है।
- HeinOnline एक ऑनलाइन अनुसंधान डेटाबेस है जिसमे विधिक इतिहास से सम्बंधित लगभग 100 लाख से अधिक पृष्ठ उपलब्ध है। इसके अन्तर्गत 2000 से अधिक विधि से संबंधित पत्रिकाओं और 5000 क्लासिक ऑनलाइन पुस्तकों का व्यापक कवरेज है। HeinOnline को अनुसंधान के उद्देश्य से शैक्षणिक लेखों के लिए सबसे अच्छे डेटाबेस के रूप में जाना जाता है।
- Supreme Court Cases(SCC) ऑनलाइन ईस्टर्न बुक कंपनी के द्वारा संचालित एक ऑनलाइन डेटाबेस है, जिसमे मुख्य रूप से SCC weekly में प्रकाशित भारत के सुप्रीम कोर्ट केस, के अलावा एससीसी में प्रकाशित लेख और प्रैक्टिकल लॉयर पत्रिका, केंद्र तथा राज्यों के विधान, भारत विधि आयोग रिपोर्टें और भारतीय राज्यों के उच्च न्यायालयों के चुनिंदा जजमेंट का ऑनलाइन कवरेज शामिल हैं।
- CLA online कॉरपोरेट लॉ एडवाइजर का डेटाबेस है। इसके अन्तर्गत कॉरपोरेट लॉ एडवाइजर पत्रिका तथा बिज़नेस लॉ सप्लीमेंट के सभी संस्करण डिजिटल फॉर्म में उपलब्ध है।
- Manupatra - मानपत्रा एक ऑनलाइन लॉ एवं बिज़नेस पालिसी डेटाबेस है जिसके अन्तर्गत सुप्रीम कोर्ट सभी राज्यों के उच्च न्यायालय, टिब्यूनल्स, कमिशन्स रिपोर्ट, गैजेट, सर्कुलर, एक्ट्स, रूल्स रेगुलेशन, आर्डिनेंस, पेंडिंग केसेस इत्यादि का संग्रह है।

AIR Database - उपरोक्त ऑनलाइन रिसोर्सेज के अलावा पुस्तकालय में ऑफलाइन डेटाबेस AIR भी सब्सक्राइब किया जाता है। इसके अन्तर्गत ए आई आर सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट, क्रिमिनल लॉ जर्नल तथा प्रिवी कौंसिल के प्रकाशन वर्ष से अब तक के समस्त सेट उपलब्ध है, जिसका उपयोग पुस्तकालय में उपलब्ध कंप्यूटर पर किया जा सकता है।

पुस्तकालय वर्गीकरण पद्धति: पुस्तकालय में पुस्तको के वर्गीकरण हेतु डेवी डेसीमल क्लासिफिकेशन पद्धति को अपनाया गया है।

पुस्तकालय ऑटोमेशन: आधुनिक युग में पुस्तकालय में पाठकों को बेहतर एवं त्वरित सूचना सेवा प्रदान करने के लिए ऑटोमेटेड सिस्टम का उपयोग किया जाना एक आवश्यक जरूरत बन गयी है। ऑटोमेटेड सिस्टम के अन्तर्गत पुस्तकालय में कंप्यूटर सिस्टम के उपयोग से अधिग्रहण, सूचीकरण, परिसंचरण, सीरियल कंट्रोल, ओपेक इत्यादि कार्य किया जाता है। विश्वविद्यालय पुस्तकालय में भी पुस्तकालय सेवाओं को ऑटोमेटेड करने के लिए Koha Library Integrated Open Source Software का उपयोग किया गया है।

Koha Library Integrated Open Source Software: एक परिचय

KOHA न्यूज़ीलैंड में कैटिपो कम्युनिकेशन लि. द्वारा विकसित पूर्ण विशेषताओं वाला प्रथम एवं सबसे लोकप्रिय ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर है जिसे दुनिया भर के पुस्तकालयों में व्यापक उपयोग किया जा रहा है। Koha वेब आधारित आईएलएस है जो अपने डेटा माई एसक्यूएल डाटाबेस (MySQL) में संगृहीत करता है। इसकी भाषा पर्ल है तथा यह पूर्ण रूप से मार्क (MARC) सपोर्टेड है। इसके अन्तर्गत Z 39.50या एसआरयू के माध्यम से डेटा सुलभ किया जा सकता है। यह एक ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर होने के कारण किसी भी पुस्तकालय द्वारा अपने हाउस कीपिंग कार्यों के स्वचालन के लिए अपनाया जा सकता है।

सीएनएलयू पुस्तकालय में भी KOHA के विभिन्न मॉड्यूल्स को अपनाया गया है:

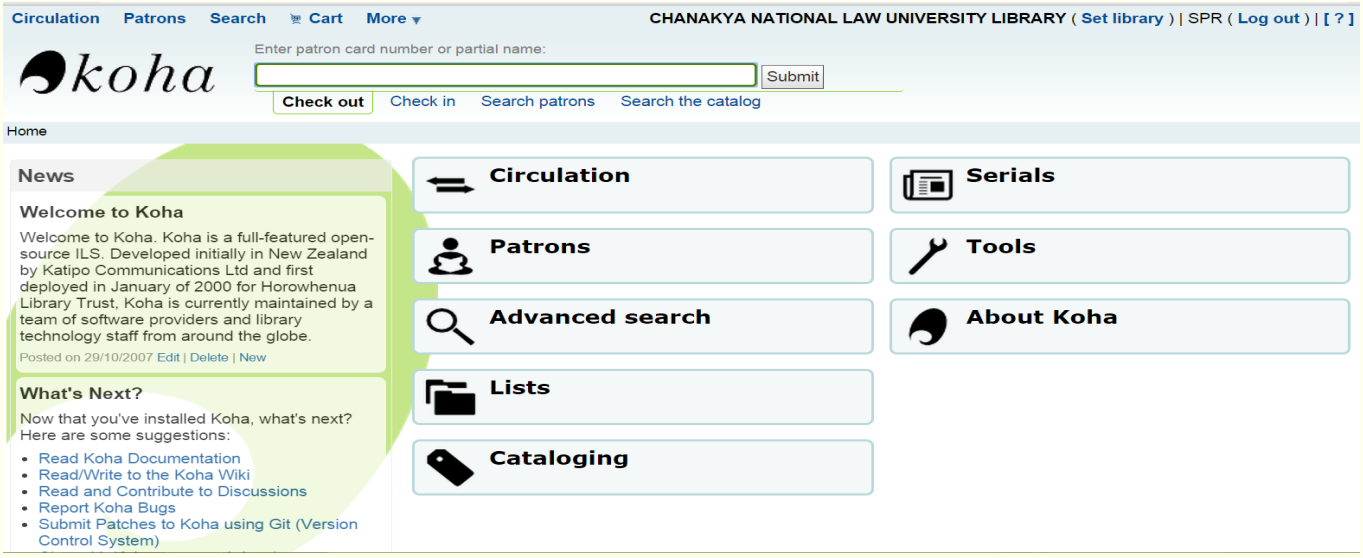

कैटलौगिंग: पुस्तकालय में किताबों की कैटलौगिंग कोहा सॉफ्टवेयर के द्वारा मार्क 21 फॉर्मेट पर की जाती है। इस मॉड्यूल में सभी आवश्यक बिब्लिओग्रफिक सूचनाओं के लिए विस्तृत फ़ील्ड्स दिए गए है जिसे अपनी आवश्यकता अनुसार चयन करने की सुविधा है।

सर्कुलेशन: किसी भी शैक्षणिक पुस्तकालय में सर्कुलेशन यानि परिसंचरण एक अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य होता है। कोहा के सर्कुलेशन मॉड्यूल के द्वारा यह कार्य काफी सुविधाजनक एवं कुशलतापूर्वक किया जाता है।

सीरियल कंट्रोल: पुस्तकालय द्वारा लॉ जर्नल एवं समसामयिक पत्र पत्रिकाओं के सब्सक्रिप्शन के समस्त विवरण इस मॉड्यूल के तहत रखे जाते है जिससे उनके बारे में किसी भी प्रकार की सूचना अल्प समय में उपलब्ध की जा सकती है।

ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (OPAC)

ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (OPAC) मुख्यत: कार्ड कैटलॉग का इलेक्ट्रॉनिक संस्करण होता है जिसके द्वारा हम पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों तथा अन्य पाठ्य सामग्री का पता बहुत आसानी से लगा लेते है। सी इन एल यू पुस्तकालय में भी कोहा के इस मॉड्यूल के तहत पाठकों को उनकी आवश्यक सूचना प्रदान करने के लिए ओपेक की सुविधा दी गयी है।

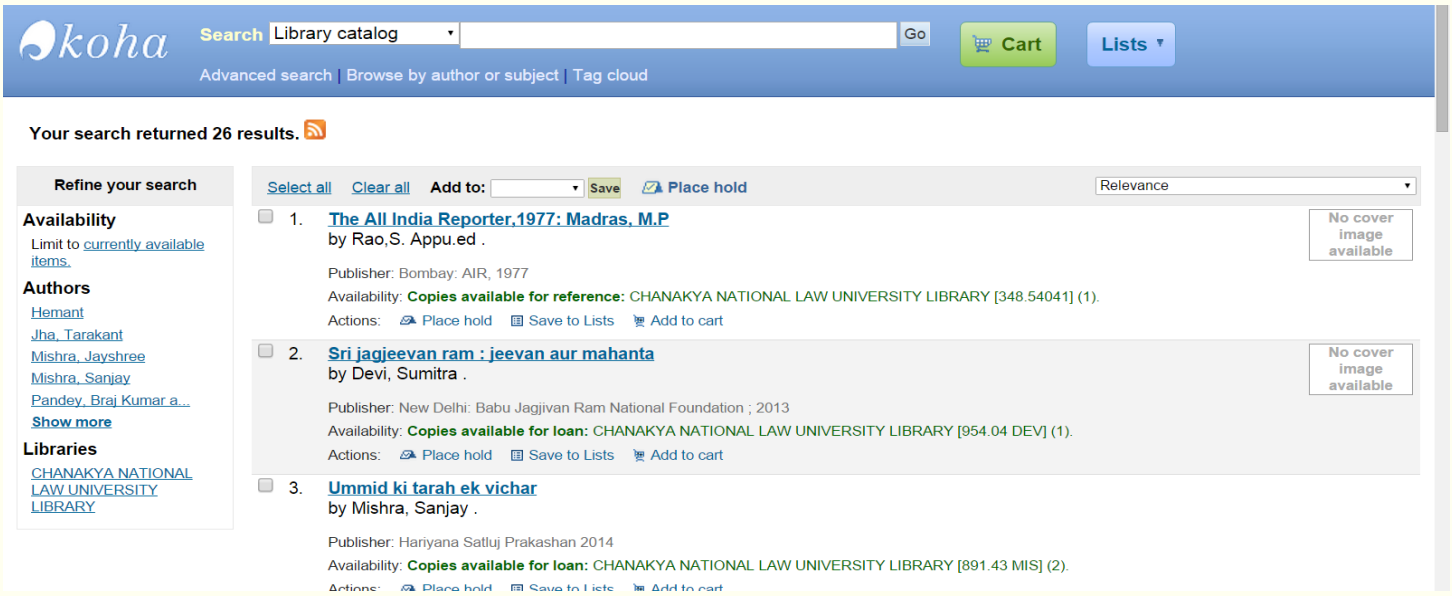

पुस्तकालय सेवाएं एवं सुविधायें:

* सीएनएलयू पुस्तकालय मुख्यत: विश्वविद्यालय के छात्रों, शोधार्थियों एवं अध्यापकों को पठन पाठन एवं लोन की सुविधा प्रदान करता है। हालांकि विशेष अनुमति पर अन्य जगहों के छात्र इंटर्नशिप के लिए, बाहरी शोधार्थी इत्यादि भी पुस्तकालय परिसर के अंदर ही संसाधनो का उपयोग कर सकते है।

* पुस्तकालय में अपने उपयोगकर्ताओं को अद्यतन सूचनाओं से अवगत रखने के लिए करेंट अवेयरनेस सर्विस जैसे- न्यू अराइवल, न्यूज़ क्लिपिंग सर्विस इत्यादि प्रदान किया जाता है।

* पुस्तकालय छात्रों एवं शोधार्थियों को उनकी आवश्यकतानुसार पूर्वानुमानित अथवा माँग आधारित सन्दर्भ सेवा प्रदान करती है।

* उपयोगकर्ताओं को उनकी आवश्यकता अनुसार बिबलियोग्राफी सर्विस भी प्रदान की जाती है।

* पुस्तकालय में ऑनलाइन डाटाबेस तथा ओपेक के उपयोग के लिए अलग से कंप्यूटर दिए गए है।

* पुस्तकालय के अंदर ही फोटोकॉपी और प्रिंटिंग की सुविधा भी उपलब्ध है।

* अन्य सभी सेवाओं के साथ ही उपयोगकर्ताओं को समस्त संसाधन के समुचित उपयोग के लिए पुस्तकालय स्टाफ के द्वारा आवश्यकतानुसार व्यक्तिगत सहायता भी प्रदान की जाती है।

इस प्रकार सीएनएलयू पुस्तकालय राज्य का एकलौता ऐसा विधि पुस्तकालय है, जँहा देश विदेश की विधि और संविधान से सम्बंधित सूचना सामग्रियों का बड़ा समृध्य एवं व्यापक संकलन है। पुस्तकालय एक सम्वृद्धिशील संस्था होती है, और इसका विकास निरन्तर चलता रहता है। विश्वविद्यालय पुस्तकालय भी समय के साथ नई तकनीकों के उपयोग, तथा संसाधनो में निरन्तर वृद्धि के माध्यम से प्रगति की ओर अग्रसर है ।

साभार

कुमारी अमृता

सिनीयर पुस्तकालय सहायक,

चाणक्या राष्ट्रीय विधि

संस्थान, पटना, बिहार

शिवजी प्रसाद

सिनीयर पुस्तकालय सहायक,

चाणक्या राष्ट्रीय विधि संस्थान,

पटना, बिहार

फ्लैशबैक

* 22 जनवरी 2002 : भारत के राष्ट्रीय पुस्तकालय की पहली आधिकारिक वेबसाइट शुरू की गई थी (www.nlindia.org)
* 31 मार्च 1951: प्रथम UNIVAC 1 कंप्यूटर को रेमिंगटन रेंड द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका के जनगणना ब्यूरो को प्रदान किया गया था
* 31 मार्च 1998: नेटस्केप (Netscape) ने ओपन सोर्स लाइसेंस (open source license) के अंतर्गत मोज़िल्ला सोर्स कोड (Mozilla source code) को जारी किया था

स्रोत : विकिपीडिया

इवेंट (Event)

- 12 मार्च : साइबर सेंसरशिप के खिलाफ विश्व दिवस
- 12 मार्च : विश्व पुस्तक दिवस (यूनाइटेड किंगडम व आयरलैंड) मार्च में पहली गुरुवार को मनाया जाता है।
- यह प्रतिवर्ष आयोजित एक चैरिटी कार्यक्रम है ।

साक्षात्कार

नाम : डॉ. महेश सिंह

पदनाम : सहायक पुस्तकाध्यक्ष, केंद्रीय पुस्तकालय

संस्थान : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना, बिहार

जन्म-स्थान : दौला, बागपत, उत्तर प्रदेश

अनुसंधान क्षेत्र: डिजिटल लाइब्रेरीज, वेब-बेस्ड लाइब्रेरीज, पेपरलेस लाइब्रेरीज

प्रश्न :- विगत वर्षों में, पुस्तकालय विज्ञान में टेक्नोलॉजी के अंगीकरण के पश्चात इसके स्तर एवं इसके शिक्षण स्तर को आप किस रूप में देखते है ?

उत्तर :- विगत वर्षों में, इनफार्मेशन कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज (ICT) की बढ़ती उपयोगिता तथा नयी तकनिकी खोज के कारण सैद्धांतिक रूप में पुस्तकालय व पुस्तकालय विज्ञान में क्रमश इंफ्रास्ट्रक्चर व पाठ्यक्रम में आशा के विपरीत परिवर्तन देखने को मिला है।परन्तु, अभी भी शिक्षण एवं पाठ्यक्रम के मामले में अधिकतर यह परिवर्तन धरातलीय स्तर पर देखने को नहीं मिलती है। अतः, यह नितांत आवश्यक है की नीतिगत योजना के तहत पुस्तकालय एवं पुस्तकालय विज्ञान में प्रयोगिक अभिधारणा के साथ इसका स्वरूप बदला जाये, जो वर्तमान परिदृश्य के परिवर्तन के बीच सामंजयस् स्थापित कर सके।

प्रश्न :- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में आनेवाले नए छात्रों को आप क्या सलाह देंगे ?

उत्तर :- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में आनेवाले नए छात्रों को को मेरी ओर से यह महत्वपूर्ण सलाह है की वे धारित पाठ्यक्रम के सामानांतर ICT , कम्युनिकेशन स्किल व टेक्निकल राइटिंग से संबंधित सॉफ्ट स्किल तथा नए-नए टूल्स को भी सिखने की कोशिश करे और अपने को वर्तमान परिवेश के अनुरूप सक्षम व कौशलपूर्ण बनायें।

प्रश्न :- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के छात्रों को साक्षात्कार एवं प्रतियोगी परीक्षा में निश्चित सफलता के लिए आप क्या सलाह देंगे ?

उत्तर :- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करनेवाले छात्रों को यह सलाह है की वे अपने विषय का अध्ययन गूढ़ रूप में करे, और उसे जहाँ तक संभव हो आत्मसात करने की कोशिश करेंगे, साथ-ही-साथ; साक्षात्कार में सम्मलित होनेवाले छात्र अपने कम्युनिकेशन स्किल, तकनीकी क्षमताओं और आत्मविश्वास को बेहतर करने के लिए मेहनत करनी चाहिए।

फुहार

सूचना और आदमी

'हमें खबर मिली'
जैसे शब्द बेजान से लगते है
किसी की हाले बयॉ से पहले
ये युग कहेगा
खबर हम सबकी रखते है।

हर जिन्दगी की हर किताब
डूबते नब्जों की हर आवाज
था मुश्किल पढ़ पाना
अब हर कलम हर गीत
हर दिल की संगीत,
उँगलियों पे रखते है।

दूँगा भी तुझे दो शब्द
विचारों की उड़ानों का
दो टूक कहना था
अपने ही मकानों का,
यह मुमकिन है,
इस युग में पढ़ना आसान हो जाए।

इस संचार दुनिया में
दौड़तें रास्तों पर
कभी ये नहीं कहना,
'न मालुम है मुझको'
इस बोल से तेरा,
कहीं अपमान हो जाए।

अब वक्त आया है,
चाँद पर घर बसाने का
भूले हुए रिश्तों में नया रंग लाने का
कहेंगे रहने को घर तेरे
मामा, पास आये है।

अब अंतरिक्ष में खोजेंगे
हम खुद अतीत अपना
आंइस्टीन का देखा गया
पुरा हुआ सपना
बदौलत इस कदम के ये ,
हम पैगाम लाये है।

दुनिया एक हो जाए
बुराई नेक हो जाए
लगाकर सीने से रख ले शहर ,
अब गाँव को अपनी
पिता का पुत्र से अच्छा संबंध हो जाए
दिल के किसी कोने मे
यही अरमान रखे है।

***

डा. अमृत प्रजापति

राउंड टेबल-1

पत्रिका आगामी अंक से राउंड टेबल नाम से एक अनुभाग शुरू कर रही हैं, जिसमें पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विषय पर आधारित मुद्दों एवं प्रसंग पर पाठको को खुली परिचर्चा के लिए आमंत्रित करती हैं। इस अनुभाग का उद्देश्य मुख्यतः पाठको में समसामयिक मुद्दे जो पुस्तकालय विज्ञान के पाठ्यक्रम का हिस्सा तो नहीं हैं, परन्तु, यह मंच पाठको में विषय के गूढ़ता के लिए समझ को विकसित करेगी। अतः, सभी पाठको से विन्रम अनुरोध हैं की वो इस मंच का हिस्सा बन कर अपने बौद्धिक विचारों को मंच प्रदान करें। आगामी अंक में राउंड टेबल अनुभाग के चर्चा का प्रकरण " *सोशल मीडिया एवं नेटवर्किंग का वर्तमान पुस्तकालयों पर प्रभाव: सकारात्मक पक्ष तथा नकारात्मक पक्ष* " है ।

अतः, पाठक प्रस्तुत प्रकरण के लिए कोई एक मन्तव्य (साकारात्मक या नकारात्मक) पर विचार भेज सकते है- संपादक समूह सदस्यों द्वारा चयनित उत्कृष्ट नकारात्मक एवं साकारात्मक विचारों को पाठक के फोटो एवं प्राप्त सूचना के साथ आगामी अंक में प्रकाशित किया जायेगा।

पाठक अपने विचार पत्रिका के ई-मेल ed.lisinfotika@gmail.com पर भेज सकते है परन्तु अनिवार्य रूप में आपके ई-मेल में विषय 'राउंड टेबल-1' उल्लेखित करें।

सवाल-जबाव एक्सपर्ट के साथ

पत्रिका आगामी अंक से एक नए अनुभाग का आरम्भ कर रही है जिसका नाम "सवाल-जवाब एक्सपर्ट के साथ" है, इस अनुभाग में पाठक पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान से सम्बंधित प्रश्न पत्रिका के ई-मेल ed.lisinfotika@gmail.com पर मेल हेडिंग 'सवाल-जवाब एक्सपर्ट के साथ' देकर भेज सकते है। प्रश्न की प्रकृति पूर्णतः पुस्तकालय विज्ञान से सम्बंधित होनी चाहिए; हालाँकि, प्रश्नों के विषय क्षेत्र पठन, प्रयोगिक एप्रोच, जॉब्स, इंटरव्यू आदि हो सकती हैं । प्रमुखता से इस मंच की सहायता से छात्रों एवं कार्मिकों को विषय संबंधी एक्सपर्ट सलाह प्रदान की जाएगी।

LIS MENTORS

Website : http://lismentors.weebly.com

Email : (1) lismentors2015@gmail.com;

(2) metorlis@gmail.com

Contact:

Mr. Pawan Kr. Singh (Director)

COURSES OFFERED

- **Selected 30 UGC NET /JRF Package**
- **BLIS Course Package :** Theory / Practical
- **MLIS Course Package.**
- **IT Skills and library software Package**: For imparting basic as well as advanced IT skills added with

OTHERS SPECIALITIES

- **Assignments, Theses & Dissertations Package.**
- **LIS Notes package:** Hindi/English
- **Mock Interview / Test Series.**
- **Competitive examination preparations package[KVS, NVS, DSSB, RRB(LIBRARY SC.), SSC(LIBRARY SC.) etc.]**
- **Mastering the art of writing research articles package.**